ओमप्रकाश नाजवानी
सम्पादक

विज्ञापन हेतु
सम्पर्क करें।
9269214000
प्रति. बुक करावें

RNI No. : RAJHIN2013/54948
Postal Regd. : RJ/AJ/210/2024-26

आगाज की आवाज

प्रतिस्पर्धा से दूर, खबरें भरपूर, आगाज हमारा, आवाज आपकी.....

www.aagajkiaawaj.com

वर्ष 12 | अंक 13 | पाक्षिक | अजमेर, 16 जून 2025 | मूल्य 10 | कुल पृष्ठ 4

अमेरिका ने स्टील पर टैरिफ किया दोगुना, भारत बोला—सीमित रहेगा असर

4 जून से लागू होगा 50% आयात शुल्क, वैश्विक बाजार में कीमतों के तेज़ उछाल की आशंका

नई दिल्ली। अमेरिका ने वैश्विक व्यापार जगत को झटका देते हुए स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर सीमा शुल्क को मौजूदा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। यह नया शुल्क 4 जून 2025 से लागू होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह फैसला ट्रेड एक्सपैंशन एक्ट, 1962 की धारा 232 के तहत लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से अमेरिका में स्टील की कीमतों में और तेजी आएगी और इसका असर वैश्विक बाजार पर भी देखने को मिलेगा।हालांकि भारत सरकार ने इस निर्णय को लेकर फिलहाल गंभीर चिंता नहीं जताई है। केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमार स्वामी ने कहा कि अमेरिका की टैरिफ नीति में लगातार अस्थिरता देखी जा रही है और अभी के फैसले से भारत के स्टील निर्यात पर बड़ा असर पड़ने की संभावना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें दो-तीन महीने इंतजार करना चाहिए ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके। गौरतलब है कि भारत ने बीते वित्त वर्ष में अमेरिका को लगभग 4.56 अरब डॉलर मूल्य का स्टील और एल्यूमीनियम निर्यात किया था, जिसमें से 3.1 अरब डॉलर सिर्फ स्टील का निर्यात था।अमेरिका में इस समय स्टील की कीमत करीब 984 डॉलर प्रति टन है, जो नए टैरिफ के लागू होने के बाद 1180 डॉलर प्रति टन तक पहुंच सकती है। इसके विपरीत यूरोप में

स्टील की कीमत 690 डॉलर और चीन में मात्र 392 डॉलर प्रति टन है, जबकि भारत में यह 500 से 550 डॉलर प्रति टन के बीच है। इस कारण अमेरिका में भारतीय स्टील की मांग बनी हुई थी, लेकिन शुल्क बढ़ने से लागत में बढ़ोतरी भारतीय स्टील को कम प्रतिस्पर्धी बना सकती है।भारत सरकार इस मामले पर कड़ी निगरानी रख रही है और अन्य देशों की संरक्षणवादी नीतियों के मद्देनजर व्यापक विमर्श कर रही है, ताकि घरेलू उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव को रोका जा सके। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के इस फैसले से न केवल भारत को चुनौती मिलेगी, बल्कि अमेरिका के ऑटोमोबाइल और निर्माण क्षेत्र पर भी लागत का बोझ बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को इस स्थिति में WTO का रुख अपनाना चाहिए, जैसा कि उसने 2018 में किया था।इस पूरी स्थिति में भारत के पास चुनौती के साथ-साथ नए अवसर भी हैं। अगर रणनीतिक रूप से सही कदम उठाए जाएं तो भारत अपने स्टील निर्यात को वैकल्पिक बाजारों में मोड़कर इस नुकसान की भरपाई कर सकता है। सरकार को व्यापारिक नीतियों में लचीलापन दिखाते हुए घरेलू उद्योग को संरक्षण देना होगा और वैश्विक मंचों पर अपनी स्थिति मजबूती से रखनी होगी।

महंगाई से जूझते कारोबारियों को राहत

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 24 सस्ता, 1 जून से लागू नई दरें

रेस्टोरेंट-ढाबों का संचालन हुआ थोड़ा आसान, घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में नहीं हुआ कोई बदलाव

नई दिल्ली। अमेरिका ने वैश्विक व्यापार जगत को झटका देते हुए स्टील और एल्यूमीनियम के आयात पर सीमा शुल्क को मौजूदा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। यह नया शुल्क 4 जून 2025 से लागू होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह फैसला ट्रेड एक्सपैंशन एक्ट, 1962 की धारा 232 के तहत लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से अमेरिका में स्टील की कीमतों में और तेजी आएगी और इसका असर वैश्विक बाजार पर भी देखने को मिलेगा।हालांकि भारत सरकार ने इस निर्णय को लेकर फिलहाल गंभीर चिंता नहीं जताई है। केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि अमेरिका की टैरिफ नीति में लगातार अस्थिरता देखी जा रही है और अभी के फैसले से भारत के स्टील निर्यात पर बड़ा असर पड़ने की संभावना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें दो-तीन महीने इंतजार करना चाहिए ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके। गौरतलब है कि भारत ने बीते वित्त वर्ष में अमेरिका को लगभग 4.56 अरब डॉलर मूल्य का स्टील और एल्यूमीनियम निर्यात किया था, जिसमें से 3.1 अरब डॉलर सिर्फ स्टील का निर्यात था।अमेरिका में इस समय स्टील की कीमत करीब 984 डॉलर प्रति टन है, जो नए टैरिफ के लागू होने के बाद 1180 डॉलर प्रति टन तक पहुंच सकती है। इसके विपरीत यूरोप में स्टील की कीमत 690 डॉलर और चीन में मात्र 392 डॉलर प्रति टन है, जबकि भारत में यह 500 से 550 डॉलर प्रति टन के बीच है। इस कारण अमेरिका में भारतीय स्टील की मांग बनी हुई थी, लेकिन शुल्क बढ़ने से लागत में बढ़ोतरी भारतीय स्टील को कम प्रतिस्पर्धी बना सकती है।भारत सरकार इस मामले पर कड़ी निगरानी रख रही है और अन्य देशों की संरक्षणवादी नीतियों के मद्देनजर व्यापक विमर्श कर रही है, ताकि घरेलू उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव को रोका जा सके। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के इस फैसले से न केवल भारत को चुनौती मिलेगी, बल्कि अमेरिका के ऑटोमोबाइल और निर्माण क्षेत्र पर भी लागत का बोझ बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को इस स्थिति में WTO का रुख अपनाना चाहिए, जैसा कि उसने 2018 में किया था। इस पूरी स्थिति में भारत के पास चुनौती के साथ-साथ नए अवसर भी हैं। अगर रणनीतिक रूप से सही कदम उठाए जाएं तो भारत अपने स्टील निर्यात को वैकल्पिक बाजारों में मोड़कर इस नुकसान की भरपाई कर सकता है। सरकार को व्यापारिक नीतियों में लचीलापन दिखाते हुए घरेलू उद्योग को संरक्षण देना होगा और वैश्विक मंचों पर अपनी स्थिति मजबूती से रखनी होगी।

सिंह ने मोदीजी से पूछा: क्या 'दो चुटकी सिंदूर' का इतना राजनीतिक महत्व है?

भाजपा के 'घर-घर सिंदूर' अभियान पर तीखा हमला

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी भाजपा पर 'दो चुटकी सिंदूर' को लेकर तीखा हमला बोला है। सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि वह भारतीय महिलाओं की भावनाओं का राजनीतिक फायदा उठाने के लिए घर-घर जाकर सिंदूर बांटने का अभियान चला रही है। इसे उन्होंने एक सस्ता राजनीतिक स्टंट करार दिया और इसे 'एक राष्ट्र, एक पति' योजना तक जोड़कर व्यंग्य किया। संजय सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सिंदूर महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी उम्र, सम्मान और खुशहाली के प्रतीक के रूप में लगाया जाता है, जो गर्व और गरिमा का भाव रखता है। उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि क्या उन्होंने दो चुटकी सिंदूर के गहरे सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व को समझा है।सिंह ने कहा, " यह सिर्फ़ राजनीतिक नौटंकी नहीं, बल्कि महिलाओं का अपमान है। भारतीय महिलाएं अपने पति के लिए सिंदूर लगाएंगी, किसी राजनीतिक नेता के लिए नहीं। भाजपा कब तक इस परंपरा का दुरुपयोग करती रहेगी?" उन्होंने केंद्र सरकार की सुरक्षा नीतियों पर भी निशाना साधा, बताया कि पहलगाम हमले के आतंकियों का पता नहीं चल पाया और पीओके अभी तक भारत को वापस नहीं मिला। सिंह ने कहा कि भारतीय सेना की ताकत होने के बावजूद सरकार ने युद्धविराम का विकल्प चुना जबकि भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर सिंदूर बांटने में लगे हैं।भाजपा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है और कहा कि ऐसी कोई योजना या अभियान पार्टी की ओर से नहीं चलाया जा रहा है। वहीं, कांग्रेस की केरल इकाई ने भी इस मुद्दे पर भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की है। संजय सिंह की इस टिप्पणी से राजनीतिक और सांस्कृतिक परंपराओं के इस्तेमाल को लेकर बहस फिर गर्मा गई है।

'आतंक का फन उठेगा तो कुचल देंगे': पीएम मोदी ने भोपाल में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में दी सख्त चेतावनी

इंदौर मेट्रो और दतिया-सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भोपाल के जम्बूरी मैदान में आयोजित 'लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन' में आतंकवादियों को सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने हमारे समाज और संस्कृति पर हमला किया है, लेकिन अगर आतंक का फन उठेगा तो उसे पूरी ताकत से कुचल दिया जाएगा। मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत के सबसे बड़े और सफल आतंकवाद विरोधी अभियानों में से एक बताया, जिसमें पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को समाप्त किया गया। प्रधानमंत्री ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका जीवन इच्छाशक्ति और जनसेवा का प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने महिलाओं की भूमिका को विकास की धुरी बताते हुए कहा कि हमारी

सरकार 'Women Led Development' के विजन पर काम कर रही है, और महिलाओं ने देश की सुरक्षा और विकास में अहम योगदान दिया है। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर यात्री सेवा का वर्चुअल शुभारंभ किया। साथ ही दतिया और सतना एयरपोर्ट का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। इसके अलावा, उज्जैन में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के लिए घाट निर्माण और जल संरक्षण से जुड़े बड़े परियोजनाओं का भूमि पूजन किया गया। 1,271 नए अटल ग्राम सुशासन भवनों के लिए 483 करोड़ रुपये की पहली किस्त भी जारी की गई। प्रधानमंत्री के इस दौरे ने नारी शक्ति को सम्मानित करते हुए मध्य प्रदेश के समग्र विकास को नई ऊर्जा दी है।

सम्पादकीय

दोतरफा खतरे के बीच तेज़ और सटीक रक्षा तैयारियों की आवश्यकता

भारत की सुरक्षा चुनौतियाँ पहले से कहीं अधिक जटिल और बहुआयामी हो चुकी हैं। एक ओर पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद लगातार चिंता का विषय बना हुआ है, तो दूसरी ओर चीन अपनी सैन्य क्षमता और रणनीतिक विस्तार के जरिए भारत की सीमाओं पर लगातार दबाव बना रहा है। ऐसे में जब भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह रक्षा परियोजनाओं में हो रही देरी पर सवाल उठाते हैं, तो यह सिर्फ सैन्य नेतृत्व की चिंता नही बल्कि पूरे देश की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक चेतावनी है। यह चिंता केवल कागजों पर बनी योजनाओं और हवाई घोषणाओं से नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत से जुड़ी हुई है, जिसमें वायुसेना को आधुनिक बनाने की प्रक्रिया लगातार विलंब का शिकार हो रही है।भारतीय वायुसेना की भूमिका अब सीमित नहीं रही, बल्कि यह किसी भी युद्ध या ऑपरेशन में निर्णायक शक्ति बन चुकी है। इसका ताज़ा उदाहरण हाल में हुआ ऑपरेशन 'सिंदूर' है, जिसमें भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को एयरस्ट्राइक के जरिए नष्ट कर अपनी हवाई ताकत का प्रदर्शन किया। इस ऑपरेशन ने न सिर्फ हमारी सैन्य क्षमता को दुनिया के सामने रखा, बल्कि यह भी दिखाया कि आज की लड़ाइयों में वायु शक्ति कितनी निर्णायक हो चुकी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हमारी वायुसेना के पास ऐसे ऑपरेशनों को दोहराने और लंबे समय तक लड़ने के लिए आवश्यक संसाधन और तकनीक हैं? वायुसेना प्रमुख का बयान इसी सवाल को सामने लाता है। भारत को अपनी वायुसेना के लिए कम से कम 42.5 स्क्वाड्रन लड़ाकू विमानों की जरूरत है, जबकि वर्तमान में हमारे पास सिर्फ 30 स्क्वाड्रन ही हैं। यानी हमारे पास लगभग 200 से अधिक लड़ाकू विमान कम हैं। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है, खासकर तब जब दोनों सीमाओं पर तनाव लगातार बना हुआ है। **HAL** (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) को तेजस मार्क-1A की डिलीवरी करनी थी, जो कि एक स्वदेशी लड़ाकू विमान है और भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अहम कदम माना जाता है। लेकिन डिलीवरी में देरी हो रही है, जिससे वायुसेना की तैयारी पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। तेजस विमान, तकनीकी रूप से अत्याधुनिक है, लेकिन निर्माण प्रक्रिया में आने वाली रुकावटें और संसाधनों की कमी इसकी गति को बाधित कर रही हैं। वहीं, दूसरी ओर हमारे विरोधी लगातार अपनी हवाई ताकत बढ़ा रहे हैं। चीन पहले ही अपनी सेना के आधुनिकीकरण में कई सालों से अग्रसर है। अब खबरें हैं कि चीन अपने जे-35 स्टेल्थ फाइटर जेट, जो पांचवीं पीढ़ी का उन्नत लड़ाकू विमान है, पाकिस्तान को देने की योजना बना रहा है। यह विमान रडार पर न पकड़ में आने वाली तकनीक से लैस है और यदि पाकिस्तान को यह विमान मिलते हैं, तो भारत की हवाई सुरक्षा प्रणाली के सामने एक नई और बड़ी चुनौती खड़ी हो जाएगी। इस समय पाकिस्तान तुर्किये के ड्रोन और चीन के हथियारों का प्रयोग कर रहा है, जिससे यह स्पष्ट है कि दोनों देशों की सैन्य साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। सरकार ने भारत में भी पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट के निर्माण को मंजूरी दे दी है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार इस प्रोजेक्ट को पूरा होने में 10 साल तक का समय लग सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या तब तक भारत अपने विरोधियों की तकनीकी बढ़त को सहता रहेगा? या फिर उसे अभी से तेजी से काम करके इस अंतर को पाटना होगा ?हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह है कि भारत ने 'मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। 2023-24 में देश ने 1.27 लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन किया, और 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रक्षा निर्यात भी हुआ। भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण बेच रहा है, और पिछले एक दशक में यह वृद्धि लगभग 30 गुना हुई है। यह निश्चित रूप से एक उपलब्धि है, लेकिन जब तक हमारी सेनाएं इन उत्पादों से पूर्ण रूप से सुसज्जित नहीं होती, तब तक इन आंकड़ों का वास्तविक प्रभाव हमारी रक्षा शक्ति पर नहीं पड़ता। सवाल अब यह नहीं है कि भारत रक्षा उत्पादन कर पा रहा है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या यह उत्पादन समय पर और जरूरत के अनुसार हो पा रहा है? जब वायुसेना प्रमुख खुद यह कह रहे हैं कि योजनाएं कागजों पर अटकी हैं, तो यह दर्शाता है कि नीति और अमल के बीच एक गंभीर खाई मौजूद है। इस खाई को पाटने के लिए जरूरी है कि रक्षा परियोजनाओं को 'फास्ट ट्रैक' मोड में लाया जाए, निर्माण की हर प्रक्रिया पर निगरानी रखी जाए, और समयसीमा का सख्ती से पालन हो।भारत के लिए यह समय अब केवल रणनीति बनाने का नहीं, बल्कि रणनीति के क्रियान्वयन में तेजी लाने का है। चीन की तरह भारत को भी अपने सैन्य आधुनिकीकरण के लक्ष्य तय कर उन्हें समय पर पूरा करना होगा। यह केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सरकार, उद्योग और नागरिक समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत बनाने में सहयोग करें। निष्कर्षतः, जब सीमाओं पर खतरे लगातार बढ़ रहे हैं, और विरोधी देश अत्याधुनिक हथियारों से लैस हो रहे हैं, तब भारत के पास देरी का विकल्प नहीं बचता। वायुसेना की ताकत अब केवल सुरक्षा का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास और संप्रभुता की पहली दीवार बन चुकी है। इसे मजबूत करने में हर सेकंड कीमती है। सरकार को चाहिए कि वह वायुसेना प्रमुख की चेतावनी को गंभीरता से ले और हर परियोजना को मिशन मोड में पूरा करे, ताकि भारत हर परिस्थिति में अपनी सीमाओं की रक्षा करने में सक्षम रहे।

युवा पीढ़ी को जोड़ेंगे संस्कृति से

सिन्धु ज्योति सेवा समिति अजमेर व सिन्धु सेवा समिति किशनगढ़ ने किया एकजुट प्रयास का ऐलान, वरदान फिल्म से समाज में जागरूकता की नई लहर

अजमेर। सिन्धी भाषा, साहित्य, गीत-संगीत, लोक कला और संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु अजमेर की सिन्धु ज्योति सेवा समिति और किशनगढ़ की सिन्धु सेवा समिति अब संयुक्त प्रयास करेंगी। इस उद्देश्य से आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में दोनों समितियों ने मिलकर यह संकल्प लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, सिन्धी फिल्म "वरदान-3" के निर्माता और कंवर फिल्म्स के निर्देशक विजय शाहनी ने कहा कि युवा पीढ़ी को सिन्धी संस्कृति से जोड़े बिना सिन्धयत को सहेजना संभव नहीं। उन्होंने बताया कि दोनों समितियों मिलकर सिन्धी भाषा, लिपि और संस्कृति की जानकारी युवाओं तक पहुंचाने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित करेंगी।इस अवसर पर किशनगढ़ की सिन्धु सेवा समिति द्वारा अजमेर की सिन्धु ज्योति सेवा समिति के प्रमुख पदाधिकारियों का पुष्पमालाओं, शॉल, पूज्य झूलेलाल साहिब के लॉकेट वाली माला और प्रसिद्ध "बनी ठनी" की चित्र भेंट कर विशेष सम्मान किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में संरक्षक विजय शाहनी, तेजभान आसवानी, अध्यक्ष मंधराम भिरयानी, मीडिया प्रभारी रमेश लालवानी और सलाहकार राजेश आनंद प्रमुख रूप से शामिल थे।वयोवृद्ध समाजसेवी तेजभान आसवानी ने अपने उद्बोधन में सिन्धयत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया। वही अध्यक्ष मंधराम भिरयानी ने बताया कि जयपुर रोड स्थित माया मंदिर सिनेमा हॉल में दिखाई जा रही निःशुल्क फिल्म "वरदान" को दर्शकों का जबरदस्त प्रतिसाद मिल रहा है, जिसकी एडवांस बुकिंग आठ दिन पहले ही पूर्ण हो गई। कार्यक्रम में किशनगढ़ समिति के विष्णु मेंघानी, पिशु भाई मूलानी, गिरधारी अमरवानी, विजय गुरनानी, मुकेश मेघानी, करण मेंघानी, रमेश खेमानी, राम भाई नानवानी, नरेश मंगलानी और पंकज अमरवानी ने सिन्धु ज्योति सेवा समिति के पदाधिकारियों को सम्मानित किया। मीडिया प्रभारी रमेश लालवानी ने बताया कि 23 मई से प्रारंभ हुई निःशुल्क फिल्म "मिठड़ी अम्मा वरदान" को भी समाज के लोगों द्वारा विशेष सराहना मिल रही है। कार्यक्रम के अंत में गिरधारी अमरवानी ने सिन्धु ज्योति सेवा समिति और माया मंदिर प्रबंधक मुरली भाई हासानी सहित हासानी परिवार का आभार व्यक्त किया, जो वर्षों से समाज सेवा में अग्रणी रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर: वीरांगनाओं को मिला सम्मान, बच्चों की रैली में गूंजा देशभक्ति का स्वर

प्रेसिडेंसी स्कूल ने वीर शहीदों की स्मृति में किया आयोजन

अजमेर। प्रेसिडेंसी स्कूल, अजमेर द्वारा आयोजित 'ऑपरेशन सिंदूर' कार्यक्रम देशभक्ति और शहीद सम्मान की भावना का सजीव उदाहरण बनकर सामने आया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों और उनके परिवारों को समाज के सम्मुख सम्मानित करना था।इस अवसर पर शहीद शंकर सिंह की पत्नी श्रीमती रेखा कंवर और शहीद भगचंद गुर्जर की पत्नी श्रीमती माया गुर्जर को विद्यालय की ओर से शॉल और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार ने दोनों वीरांगनाओं के त्याग, साहस और धैर्य को नमन करते हुए मंच पर उनका भावपूर्ण स्वागत किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक विशाल राष्ट्रप्रेम रैली निकाली, जो लाल मंदिर से प्रारंभ होकर पहाड़िया चौराहे तक गई। रैली में छात्रों ने देशभक्ति के नारों के साथ जनमानस को प्रेरित किया। 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।रैली के मार्ग में आमजन ने जल पिलाकर एवं पुष्प वर्षा कर छात्रों का अभिनंदन किया। इस आत्मीय स्वागत से प्रतिभागियों और दर्शकों दोनों में देशभक्ति की भावना और भी प्रबल हो उठी। रैली के दौरान छात्रों ने मार्ग में एक भावनात्मक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसमें भारतीय सैनिकों के बलिदान और उनके परिवारों की पीड़ा को सजीव रूप में दर्शाया गया। यह प्रस्तुति दर्शकों की आंखें नम कर गई और गहरा प्रभाव छोड़ गई।विद्यालय प्रशासन ने रैली में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों के लिए खाद्य किट की व्यवस्था भी की,

जिससे आयोजन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री ए.पी. शर्मा ने कहा, "हमारे देश के वीर जवानों और उनके परिवारों का सम्मान करना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारा नैतिक दायित्व है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हम बच्चों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का विकास करना चाहते हैं।"कार्यक्रम का समापन "देश के लिए जो मिटते हैं, वो अमर कहलाते हैं"—इस प्रेरणास्पद पंक्ति के साथ हुआ। आयोजन में उपस्थित सभी अभिभावकों, नागरिकों और विद्यार्थियों ने इस प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना से ओत-प्रोत करते हैं।

किशनगढ़ में महिला पतंजलि योग समिति का पुनर्गठन, नई टीम को मिली जिम्मेदारी

किशनगढ़। पतंजलि योग समिति की महिला इकाई का रविवार को आर्य समाज भवन में पुनर्गठन किया गया। जिला प्रभारी सरोज मालू की देखरेख में हुए इस कार्यक्रम में समिति की नवगठित टीम की घोषणा की गई और सभी पदाधिकारियों को पदभार की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में संरक्षिका पद पर कौशल्या अग्रवाल, उषा शारदा, संतोष पारीक और सुमन गोयल को नियुक्त किया गया। महिला प्रभारी (अध्यक्ष) के रूप में सरोज शर्मा को जिम्मेदारी दी गई, जबकि मंजू कुमावत को सह प्रभारी बनाया गया। महामंत्री का दायित्व सरोज मालू को सौंपा गया है।वित्तीय कार्यों की जिम्मेदारी कोषाध्यक्ष सीमा वार्ष्णेय और सह कोषाध्यक्ष संगीता अग्रवाल को दी गई है। संगठन मंत्री सुमन शर्मा और उनकी सह मंत्री ममता बेनावत होंगी। सोशल मीडिया संचालन की जिम्मेदारी रितु मंघनानी को सौंपी गई है, जबकि अंजू अग्रवाल उनकी सह प्रभारी रहेंगी।सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए अंजु दोपी को सांस्कृतिक प्रभारी और मधु लखोटिया को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। क्रीड़ा मंत्री के रूप में नेहा अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि युवती प्रभारी की भूमिका अंजली अग्रवाल निभाएंगी।समिति की अन्य सक्रिय कार्यकर्ताओं में अनिता छापरवाल, शशि छापरवाल, राजरानी, पार्वती शर्मा और सुमित्रा शर्मा शामिल हैं, जिन्हें भी सेवा कार्यों के लिए प्रेरित किया गया और शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान महिला योग साधिकाओं के उत्साह और सेवा के प्रति समर्पण ने संगठन के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाया। जिला प्रभारी सरोज मालू ने आशा जताई कि नवगठित समिति किशनगढ़ में योग और सेवा कार्यों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

किशनगढ़ में 2 करोड़ की लागत से सड़कों का सुधार कार्य शुरू

राज्य सरकार की बजट घोषणा के तहत किशनगढ़ में पीडब्ल्यूडी द्वारा दो करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न सड़कों की मरम्मत और उन्नयन कार्य शुरू किए गए हैं। खिड़की बालाजी मंदिर से अंबेडकर सर्किल तक 400 मीटर सीसी रोड निर्माण के लिए खुदाई कार्य शुरू होगा। इससे पहले कई इलाकों में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। भाजपा नेता महेंद्र पाटनी ने कामों में देरी और जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने पर नाराजगी जताई और कार्य शीघ्र पूर्ण करने की मांग की। स्थानीय नेताओं और नागरिकों ने भी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत को लेकर पीडब्ल्यूडी से कार्रवाई की मांग की।

ऑपरेशन शिल्ड में प्रशासन ने दिखाई चौकसी, मॉक ड्रिल में सेना से लेकर आम नागरिक तक सक्रिय

अजमेर। नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने और आपातकालीन तैयारियों को परखने के लिए शनिवार को अजमेर में भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार द्वितीय सिविल डिफेंस अभ्यास ऑपरेशन शिल्ड का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में मिलिट्री कंपाउंड पर हवाई हमले की काल्पनिक स्थिति बनाकर शत्रु द्वारा एयर स्ट्राइक का सिमुलेशन किया गया। धमाकों के तुरंत बाद पूरे क्षेत्र में आपातकालीन सायरन बजा, जिससे जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन सेवाएं, स्वास्थ्य विभाग और सिविल डिफेंस की टीमें तत्पर हो गईं। फायर ब्रिगेड तत्काल घटना स्थल पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को एंबुलेंस और प्रशासन की गाड़ियों से अस्थायी अस्पताल पहुंचाया गया। इस पूरे अभ्यास का नेतृत्व जिला कलक्टर लोकबंधु ने किया, जिन्होंने पहुंचकर राहत कार्यों की निगरानी की और सभी विभागों की तत्परता और रिस्पॉन्स टाइम का मूल्यांकन किया। लोकबंधु ने पिछले मॉक ड्रिल के अनुभवों के आधार पर इस बार बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। अभ्यास के दौरान सेना भी पूरी तरह सक्रिय रही। सेना के अधिकारियों ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर ड्रिल को वास्तविकता के करीब पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। सिविल डिफेंस ने आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेज और प्रभावी कार्यवाही की, जबकि पुलिस ने घटना स्थल से अस्थायी अस्पताल तक का मार्ग यातायात रहित रखा।रेजिडेंस कंपाउंड स्थित बहुमंजिला इमारत में मॉक रेस्क्यू ऑपरेशन भी सफलता पूर्वक किया गया। फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिसमें फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ, मेडिकल स्टाफ और सिविल डिफेंस कर्मियों ने मिलकर कार्य किया। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट गजेन्द्र सिंह राठौड़ के निर्देशन में परिसर की बार-बार जांच कर पीड़ितों की खोज की गई और उनके कीमती सामान को सुरक्षित रखा गया। घायलों के स्वास्थ्य में सुधार होने पर उनका सामान संबंधित व्यक्तियों को सुपुर्द किया गया, तथा प्रशासन ने लगातार उनकी सेहत पर नजर रखी।सायरन बजने के साथ ही आम नागरिकों ने भी संयमित प्रतिक्रिया दी। राहगीरों ने तुरंत सुरक्षित स्थानों की ओर रुख किया, जिससे अभ्यास में जन सहभागिता का बेहतरीन उदाहरण देखने को मिला। इस मॉक ड्रिल ने प्रशासन की तत्परता, विभागीय समन्वय और आम जनता की जागरूकता को उजागर किया, जिससे जिले की आपातकालीन तैयारी और मजबूत हुई है।

खरीफ फसलों के MSP में ऐतिहासिक बढ़ोतरी, किसानों को मिलेगा लागत से 50% अधिक लाभ

किशनगढ़। केंद्र सरकार ने किसानों की आमदनी बढ़ाने और उन्हें आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया।इस फैसले के तहत किसानों को उनकी लागत पर 50 प्रतिशत से अधिक लाभ मिलना सुनिश्चित किया गया है। MSP में सबसे अधिक वृद्धि नाइजरसीड के लिए 820 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। इसके बाद रागी में 596 रुपये, कपास में 589 रुपये और तिल में 579 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। अन्य फसलें जिनके MSP में वृद्धि की गई है, उनमें धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी, दलहन और तिलहन शामिल हैं। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने इस फैसले को किसानों की समृद्धि के लिए एक मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का कार्यकाल अन्नदाताओं को समर्पित रहा है और लगातार किसानों को सशक्त करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने अपने पहले कार्यकाल की शुरुआत भी किसान सम्मान निधि की स्वीकृति से की थी और तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में भी किसानों को प्राथमिकता दी जा रही है। चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्रिमंडल और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह फैसला न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाएगा, बल्कि कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी सहायक सिद्ध होगा। देश जब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब कृषि क्षेत्र का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है। इस ऐतिहासिक निर्णय से देश के करोड़ों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर किशनगढ़ में निकली तिरंगा यात्रा, विप्र फाउंडेशन और जय परशुराम सेना ने किया भव्य स्वागत

मदनगंज-किशनगढ़। भारतीय सेना के साहस और ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में किशनगढ़ नगर में रविवार को एक भव्य तिरंगा वाहन यात्रा निकाली गई। यह यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुजरी, जहां जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा और देशभक्ति नारों से यात्रा का स्वागत किया।इस गौरवमयी अवसर पर विप्र फाउंडेशन, जय परशुराम सेना, खांडल समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विप्र फाउंडेशन के वेद प्रकाश दाधीच, जय परशुराम सेना के संयोजक रूपेश शर्मा (एडवोकेट), खांडल महिला अध्यक्ष विष्णु देवी सुंदरिया, जय परशुराम सेना महिला अध्यक्ष लीला पंचारिया ने किया। उपस्थित समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक आतिशबाजी और पुष्पवर्षा कर देशभक्ति का माहौल बना दिया।इस दौरान राजस्थान ब्राह्मण युवा अध्यक्ष धनराज शर्मा (एडवोकेट) सहित अन्य पदाधिकारियों ने केंद्रीय कृषि मंत्री का अपर्णा, माला और साफा पहनाकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया।यात्रा के दौरान "भारत माता की जय", "शहीद बीरबल अमर रहें" जैसे गगनभेदी नारों से समूचा वातावरण गूंज उठा। देशभक्ति के रंग में रंगे इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और भारतीय सेना के शौर्य को नमन किया। इस ऐतिहासिक आयोजन में वेद प्रकाश दाधीच, रूपेश शर्मा (एडवोकेट), रामावतार शर्मा, किशन दाधीच, राधेश्याम रूथला, महेश रिणवा, नव मनोज शर्मा, प्रमोद दाधीच, सुशील दाधीच, आर्यन दाधीच, राम जी शर्मा, राजेंद्र शर्मा, राजेश पंचारिया, विष्णु देवी सुंदरिया, लीला पंचारिया, सुनीता शर्मा, रश्मि शर्मा, जुगल शर्मा, भंवर चोटिया, रामकिशोर, चंद्र प्रकाश, सुनील, अनिल, मोना बड़ाडरा, अंबिका बड़ाडरा, सुमन बड़ाडरा, चित्रलेखा, महिमा दाधीच, अनिता, सोनू, सुनीता रूथला, अशोक शर्मा, राजेश नवहाल सहित बड़ी संख्या में विप्र समाज के लोग उपस्थित रहे।

किशनगढ़ में बालिकाओं के लिए मुफ्त सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर शुरू

किशनगढ़। भारत विकास परिषद मुख्य शाखा किशनगढ़ एवं मार्बल सिटी अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में 9 से 14 वर्ष तक की बालिकाओं के लिए निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर प्रिवेंशन टीकाकरण शिविर का शुभारंभ 31 मई 2025 को केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर जैन और नगर परिषद किशनगढ़ की आयुक्त सीता वर्मा की उपस्थिति रही।मार्बल सिटी अस्पताल के निदेशक एवं परिषद के वरिष्ठ सदस्य ओम प्रकाश मैनावत ने बताया कि यह टीकाकरण शिविर प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष प्रहलाद अग्रवाल ने बताया कि टीकाकरण के लिए बालिकाओं के साथ आधार कार्ड, आयु प्रमाण पत्र और पासपोर्ट साइज फोटो लाना आवश्यक है। साथ ही टीकाकरण माता-पिता की सहमति से ही किया जाएगा।उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर के कारण प्रतिदिन लगभग 200 महिलाओं की मृत्यु होती है, इसलिए टीकाकरण बेहद जरूरी है। पात्र बालिकाओं को इसका लाभ अवश्य लेना चाहिए।मार्बल सिटी अस्पताल के निदेशक प्रदीप पापड़ीवाल और नीरज अजमेरा ने बताया कि टीकाकरण की पहली और दूसरी डोज के बीच 6 महीने का अंतराल रहेगा। यह टीकाकरण अस्पताल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शिखा ठाकुर की देखरेख में किया जाएगा।सचिव भगवान स्वरूप बाहेती ने जानकारी दी कि आज के शिविर में 42 बालिकाओं का टीकाकरण किया गया। प्रचार प्रसार प्रभारी नंदकिशोर अग्रवाल ने बताया कि शिविर से संबंधित जानकारी के लिए मार्बल सिटी अस्पताल के नंबर 8104 21 4444 एवं 8104 2 15555 और भारत विकास परिषद किशनगढ़ के चिकित्सा प्रकल्प प्रभारी सुभाष जामड के नंबर 98291 59277 पर संपर्क किया जा सकता है।शिविर में मातृशक्ति एवं पुरुष सदस्यों की उत्साहजनक उपस्थिति रही। नगर के गणमान्य नागरिक भी इस अवसर पर मौजूद रहे। शिविर अगले दिन रविवार को भी आयोजित होगा।

महेश नवमी महोत्सव के तहत माहेश्वरी रक्तदान शिविर में 250 यूनिट रक्त संग्रह

किशनगढ़। महेश नवमी महोत्सव 2025 की श्रृंखला में मंगलवार को श्री माहेश्वरी पंचायत संस्था के तत्वावधान में पंचायत भवन परिसर में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें कुल 250 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर में समाज के सभी वर्गों का उत्साहपूर्ण सहयोग देखने को मिला। विशेष बात यह रही कि महिलाओं और परिवारों की सामूहिक भागीदारी ने शिविर को सामाजिक एकता और सेवा का सशक्त उदाहरण बना दिया।रक्तदान शिविर का केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी और विधायक विकास चौधरी ने अवलोकन किया और रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।शिविर में पंचायत अध्यक्ष रामनारायण झंवर, मंत्री किशन बंग, उपाध्यक्ष व संयोजक विजय शारदा, सह संयोजक भगवान बाहेती, राजकुमार कासट, ओम तोषनीवाल, मुकुट बिहारी मालपाणी, शिविर प्रभारी अमित सोमानी, मीडिया प्रभारी अनिल लढ़ा, नितिन राठी, कोषाध्यक्ष सर्वेश्वर राठी, उपमंत्री अजय काबरा, भवन मंत्री अक्षय तापड़िया, पूर्व मंत्री प्रकाश राठी, जुगल जैथलिया, देवकिनन्दन लखोटिया, दिनेश दरक, नवयुवक मंडल अध्यक्ष दीपक मंत्री, तरुण मंडल अध्यक्ष विवेक इनाणी, रक्षा झंवर सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी अनिल लढ़ा ने बताया कि राधाकृष्ण कॉलोनी निवासी सुरभि राठी ने अपने पति सीए आशीष राठी के साथ अपने जन्मदिन पर रक्तदान कर एक प्रेरक मिसाल पेश की। पूर्व समाज मंत्री प्रकाश राठी के परिवार से पूजा राठी, ममता राठी, दिनेश राठी और सागर राठी ने सामूहिक रूप से रक्तदान किया। राजकुमार लोगड परिवार के राजकुमार, वैभव, विशाल और सलोनी ने भी सहभागिता निभाई। महेश झंवर ने इस अवसर पर अपना 64वां रक्तदान कर समाजसेवा में अपनी सतत भागीदारी दर्ज कराई। रमेश-संगीता मालू, अंकित-सुरभि आगीवाल, अमित-अनिता माहेश्वरी, नरेश-मोनिका सारडा, संतोष-पूजा तोषनीवाल, संदीप-आरती राठी, गजेन्द्र मंत्री और मोनिका-संतोष कालरा ने भी शिविर में रक्तदान किया।प्रथम बार रक्तदान करने वालों में तिषा भांगड़िया, सृष्टि चांडक, राघव बग, नकुल झंवर, लखन राठी, अनुराग सारडा, शिवानी मालू, दिव्या बियाणी, नीलम रानद, हेमंत लढ़ा, सीमा कालानी, संगीता लाहोटी, शशि मुंदड़ा, अदिति बांगड़, आंचल और सीधी शामिल रहीं।शिविर को सफल बनाने में राजकीय यगनारायण चिकित्सालय मदनगंज और राजस्थान ब्लड सेंटर की चिकित्सकीय टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

भैरव धाम में नशामुक्ति की अलख: हजारों श्रद्धालुओं ने तंबाकू और नशे से दूर रहने का लिया संकल्प

राजगढ़। भैरव धाम में आयोजित दो दिवसीय तंबाकू निषेध दिवस का समापन रविवार को संत चंपालाल महाराज के सान्निध्य में आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक जागरूकता के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ हाथ उठाकर तंबाकू और सभी प्रकार के नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। आयोजन का उद्देश्य जनमानस को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और समाज में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक चेतना का भी माध्यम बना, जिसमें भक्तों को तंबाकू व नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान चंपालाल महाराज ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा, "नशा केवल शरीर को ही नहीं, आत्मा और समाज को भी कमजोर करता है। इससे मुक्ति ही सच्ची भक्ति का मार्ग है।" भैरव धाम परिसर में दो दिवसीय इस आयोजन में करीब दो हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। सभी ने सामूहिक रूप से यह प्रतिज्ञा ली कि वे स्वयं नशा नहीं करेंगे और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। इस अवसर पर रमेश सेन, राहुल सेन, अविनाश सेन, दीपक बसीटा, मनीष चौहान, राजु त्रिपाठी चावड़ा, मनोज मेहरा, अमिताभ छीपा, राहुल 108, कैलाश सेन और कश्यप बंधु की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिनके सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भीषण गर्मी में राहत बनीं महिलाएंः किशनगढ़ में जल सेवा कार्यक्रम शुरू

किशनगढ़। महिला पतंजलि योग समिति और मार्बल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को किशनगढ़ में जल सेवा कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। महिला पतंजलि योग समिति पिछले पांच वर्षों से सेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय है और इस बार भीषण गर्मी को देखते हुए जनसेवा के भाव से यह पहल की गई, जिसमें राहगीरों और यात्रियों को शीतल जल व ज्यूस वितरित किया

गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भागीरथ चौधरी (सांसद व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री) ने किया। इस अवसर पर निशा सहारण (उपखंड अधिकारी), सुधीर (मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष), वी. के. जैन, महेंद्र पाटनी (रेलवे सलाहकार), गुणमाला पाटनी, धर्मेंद्र सैनी (रेलवे स्टेशन अधीक्षक), हरीश कानोडिया (थाना अधिकारी आरपीएफ), महेंद्र सिंह, प्रभुदयाल कुमावत (पतंजलि प्रभारी), राजकुमार मेघानी, उषा शारदा (संरक्षक), संतोष पारीक, सीमा वाष्णेय (कोषाध्यक्ष), संगीता अग्रवाल (सह-कोषाध्यक्ष), रितु मंघनानी (मीडिया प्रभारी), अंजू अग्रवाल (सह-मीडिया प्रभारी), अंजू दोषी (सांस्कृतिक मंत्री), अंजली अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, रानी जैन, नीरा झंवर, संगीता लाहोटी, रेखा लखोटिया और नीता सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।इन सभी ने मिलकर इस तपती धूप में राहगीरों के लिए जल व शीतल पेय सेवा की जिम्मेदारी निभाई और समाज सेवा का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की सराहना स्थानीय नागरिकों और अतिथियों ने की। जल सेवा जैसे पुण्य कार्य में महिलाओं की भागीदारी समाज को सकारात्मक दिशा देने वाली पहल मानी जा रही है।

महेश नवमी महोत्सव में भजन रस बहार, भक्ति की शाम ने मोह लिया मन

किशनगढ़। महेश विहार में माहेश्वरी पंचायत संस्था के आयोजन में महेश नवमी महोत्सव 2025 के तहत राधा सर्वेश्वर संकीर्तन मंडल की ओर से "भक्ति की शाम श्री महेश के नाम" में भजन रस बहार का आयोजन किया गया। भजन संध्या की शुरुआत गणेश वंदना, नित्य स्तुति, शरणागति पद और गुरुदेव वंदना के साथ हुई, और बोलो बोलो महेश का जयकारा गूंज उठा।मोहन प्रकाश काबरा ने वृंदावन में हुक्म चले बरसाने वाली भजन से समां बांधा, वहीं सोमिल काबरा की भावपूर्ण प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। रसिक दरगड़ ने गौ माता सेवा का संदेश देते हुए गोपाला भजन प्रस्तुत किया। गौरव मिश्रा ने फूलों से सजे वृंदावन बिहारी की सुंदरता का बखान किया। विशाल दुधानी की प्रस्तुति और गायत्री शर्मा एवं दिव्यांगना के श्याम भजनों ने भक्तों को भक्ति रस में डुबो दिया।अभिषेक राठी ने बरसाने में बंगला सजा है देखो राधे रानी का भजन प्रस्तुत कर भावुक कर दिया। इस भजन संध्या में कृष्णगढ़ गौ चिकित्सा समिति के गौ अस्पताल के लिए माहेश्वरी नवयुवक मंडल एवं तरुण मंडल ने 21,000 का योगदान दिया, जबकि अन्य भक्तजन भी सहयोग में पीछे नहीं रहे।कार्यक्रम के अंत में माहेश्वरी पंचायत संस्था के अध्यक्ष राम नारायण झंवर, मंत्री किशन बंग और संयोजक विजय शारदा ने सभी का धन्यवाद किया। प्रभु युगल सरकार एवं महेश भगवान की आरती, मंत्रोच्चार और प्रसाद वितरण से कार्यक्रम संपन्न हुआ। संकीर्तन मंडल के श्याम सुंदर दरगड़, सुरेन्द्र अग्रवाल, रामप्रसाद साहू, दिनेश दरक, राजेंद्र शर्मा, हरिराम लखोटिया, अमित अग्रवाल और राजू चरखा के समर्पित प्रयासों ने इस आयोजन को सफल बनाया।

पांच दिवसीय योग शिविर का लक्ष्मी नारायण मंदिर में भव्य समापन

किशनगढ़। पांच दिवसीय योग शिविर का समापन महिला पतंजलि योग समिति और सर्व ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में लक्ष्मी नारायण मंदिर में समारोहपूर्वक हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत पतंजलि जिला प्रभारी सरोज मालू ने मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन के साथ यज्ञ कर पवित्र वातावरण तैयार किया। इसके बाद सहप्रभारी मंजू कुमावत और सुमन शर्मा ने प्राणायाम का अभ्यास कराया। शिविर में प्रभारी सरोज शर्मा ने सूक्ष्म व्यायाम करवाए, जबकि संगिता अग्रवाल और सीमा वार्ष्णेय ने खड़े होकर किए जाने वाले व्यायाम करवाए। अंत में सरोज मालू ने मंत्रों के साथ सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और उद्गीत प्राणायाम कराया। "ओम है जीवन हमारा" भजन के साथ सभी को ध्यान का अभ्यास भी कराया गया।पूर्व सभापति गुणमाला पाटनी की विशेष उपस्थिति में उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। उन्होंने योग सत्र की भरपूर सराहना की। महिला पतंजलि के नवीन कार्यकारिणी सदस्य अनिता छापरवाल, रितु मंघनानी, अंजू अग्रवाल, कौशल्या अग्रवाल, ऊषा शारदा और अंजली अग्रवाल का भी स्वागत किया गया। साथ ही राजरानी, पार्वती, मंजू मेवाड़ा, वंशिका मेघानी, हर्षा और अंकिता शर्मा ने माला पहनाकर सभी का अभिनंदन किया। महिला मोर्चा बीजेपी से संतोष परीक भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। मंदिर के पुजारी का स्वागत सुनीता ने किया। यह योग शिविर सभी के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने वाला एक सफल प्रयास रहा।

माहेश्वरी समाज में प्रतिभाओं का जलवा, अंताक्षरी से लेकर बॉलीबॉल तक दिखा उत्साह

किशनगढ़। माहेश्वरी पंचायत संस्था मदनगंज के तत्वावधान में आयोजित सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को भी सांस्कृतिक, साहित्यिक और खेलकूद प्रतियोगिताएं जोश व उत्साह से जारी रहीं। महेश विहार में हुई म्यूजिकल अंताक्षरी में समाज की 32 टीमों ने भाग लिया। संदीप-निकिता लढ़ा की जोड़ी ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि नरेश-सुरेश सारडा द्वितीय रहे। संचालन अजय काबरा और आरती असावा ने किया, निर्णायक पियूष पाराशर रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में सार्थक राठी और आर्या कालानी ने, जबकि जूनियर वर्ग में विआन तापड़िया और पार्थ सोमानी ने स्थान प्राप्त किया। केरम और शतरंज में विआन तापड़िया, श्याम झंवर, केशव भूतड़ा, सर्वेश्वर काकानी, रिद्धि चौधरी व मनन बिहानी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन आजाद स्पोर्ट्स क्लब डाक बंगला में हुआ। कुल छह टीमों में मुकाबला हुआ। अंकुर नोगजा की कप्तानी में माहेश्वरी लॉयन्स विजेता बनी, वहीं तनीश लखोटिया की माहेश्वरी स्ट्रीकर्स उपविजेता रही। फाइनल में नोगजा की टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की। रेफरी इरफान खान, स्कोरर सुधांशु वैष्णव व युवराज सिंह और तकनीकी संचालन घनश्याम शर्मा ने किया। कार्यक्रम में राम नारायण झंवर, किशन बंग, विजय सारडा, राजकुमार बांगड़, भगवान बाहेती, दीपक मंत्री, सरिता मंत्री, मनीष सोनी, अमित सोमानी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। व्यवस्थाओं में दीपक मंत्री, दिनेश दरक, नितिन राठी, विवेक इनानी, सिद्धार्थ काबरा, ऋषि काबरा, हेमंत लढ्ढा, रौनक धूत, गर्वित सोमानी सक्रिय रहे।मीडिया प्रभारी अनिल लढ़ा ने बताया कि समाज बंधुओं की सहभागिता प्रशंसनीय रही, सभी वर्ग पूरे उत्साह से भाग ले रहे हैं।

अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर भाजपा ने अजमेर शहर और देहात में संगोष्ठियों का किया आयोजन

अजमेर। भारतीय जनता पार्टी अजमेर शहर और देहात जिला इकाइयों ने शुक्रवार को अहिल्याबाई होल्कर की 300वी जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय संगोष्ठियों का आयोजन किया। अजमेर शहर की संगोष्ठी मेरवाड़ा एस्टेट स्थित भागचंद की कोठी में आयोजित हुई, जबकि देहात जिले की संगोष्ठी कड़ैल ग्राम में संपन्न हुई। दोनों आयोजनों में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी रही। संगोष्ठियों में मुख्य वक्ता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी रहे। उन्होंने अजमेर शहर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में धर्म, संस्कृति, न्याय और लोककल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने सामाजिक समरसता और महिला सशक्तिकरण को समर्पण भाव से बढ़ावा दिया। उनका जीवन नेतृत्व, सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा है। कड़ैल में आयोजित देहात संगोष्ठी में भागीरथ चौधरी ने कहा कि अहिल्याबाई एक कुशल शासिका थी, जिन्होंने राष्ट्र और धर्म के प्रति अपने प्रेम को अपनी नीतियों और कार्यशैली से प्रमाणित किया। उनके कार्य और शिक्षाएं लोगों को सदैव जनसेवा के प्रति समर्पण की प्रेरणा देती रहेंगी।इन कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से विधायक अनिता भदेल, भाजपा अजमेर शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी, अजमेर देहात जिलाध्यक्ष जीतमल प्रजापत, पूर्व मंत्री श्रीकिशन सोनगरा, जिला संयोजक महेंद्र सिंह मझोवला, नगर निगम उपमहापौर नीरज जैन, जिला महामंत्री सम्पत सांखला, जिला उपाध्यक्ष किशनगोपाल दरगड़, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष भारती श्रीवास्तव, वनिता जेमन, अर्जुन नलिया, मंडल अध्यक्ष शक्ति सिंह और धर्मेश जैन सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा ने अहिल्याबाई होल्कर के विचारों और उनके लोककल्याणकारी कार्यों को जनमानस तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

स्वामित्व, प्रकाशक ओमप्रकाश नाजवानी के लिए मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419/30 ब्रह्मपुरी, चर्च के पास, जयपुर रोड, अजमेर (राज.) से मुद्रित कर आगाज की आवाज (पाक्षिक) कार्यालयः 1-जे-16 न्यू हाऊसिंग बोर्ड, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। - सम्पादक ओमप्रकाश नाजवानी